कोयला फाटक से बड़े पुल तक कायाकल्प, सड़कों का बिछाया जा रहा जाल

महाकुंभ 2028 की तैयारियों में निखर रहा उज्जैन, समय पर काम पूरे करने के निर्देश

कोयला फाटक क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य का

महापौर मुकेश टटवाल ने किया निरीक्षण

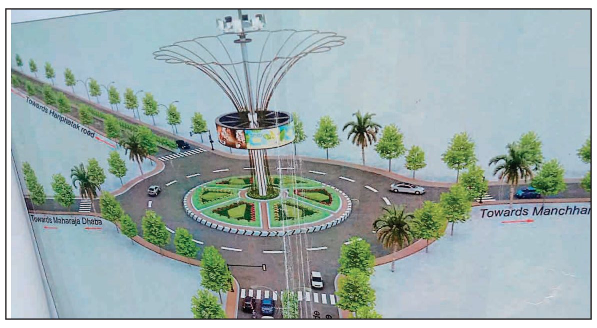

उज्जैन। महाकाल की नगरी उज्जैन में सिंहस्थ महाकुंभ 2028 के मद्देनजर विकास कार्य बड़े पैमाने पर जारी हैं। आगामी महाकुंभ में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की लागत से शहर का स्वरूप बदला जा रहा है।

टू-लेन, फोर-लेन और सिक्स-लेन सड़कों का निर्माण, चौड़ीकरण और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। कई क्षेत्रों में लोग स्वयं अपने आशियाने तोड़कर विकास में सहभागी बन रहे हैं।

साधु-संतों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाई जा रही योजनाओं का लगातार अवलोकन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह सहित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को महापौर मुकेश टटवाल ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। महापौर कोयला फाटक क्षेत्र पहुंचे, जहां नगर निगम द्वारा दो तालाब से मुनीनगर, सार्थक नगर होते हुए इंदौर रोड तक 18 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इस मार्ग पर फुटपाथ निर्माण और सेंट्रल लाइटिंग की भी व्यवस्था की जा रही है। वहीं गदा पुलिया से मंछामन होते हुए इंदौर रोड तक 12 मीटर एवं 18 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण कार्य भी प्रचलन में हैं। कोयला फाटक रोडचौड़ीकरण अंतर्गत चल रहे कार्यों का महापौर ने निगम अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।

समय पर काम पूरे हो

निरीक्षण के दौरान महापौर मुकेश टटवाल ने संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों और कंसलटेंट को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि सिंहस्थ 2028 से पहले शहर पूरी तरह तैयार हो सके। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य डॉ. योगेश्वरी राठौर अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता सहायक यंत्री डीएस परिहार संबंधित ठेकेदार एवं कंसलटेंट उपस्थित रहे। महाकुंभ 2028 को लेकर चल रहे ये विकास कार्य न केवल श्रद्धालुओं के लिए सुविधा बढ़ाएंगे, बल्कि उज्जैन को स्थायी रूप से बेहतर यातायात, रोशनी और शहरी ढांचे की सौगात भी देंगे।

बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करें

कलेक्टर के मार्गदर्शन में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक हुई

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्रम विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, आईटीआई कॉलेज, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्यगण, रोजगार विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई उज्जैन, महिला सेल उज्जैन, शासकीय संस्थाओं बाल गृह उज्जैन, शासकीय बालिका गृह उज्जैन , शासकीय संप्रेक्षण गृह उज्जैन, शासकीय वन स्टॉप सेंटर उज्जैन, अशासकीय संस्थाओ मातृछाया शिशु गृह उज्जैन, अशासकीय बाल गृह, बालिका गृह सेवाधाम उज्जैन एवं आईसीपीएस, महिला एवं बाल विकास उज्जैन से अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ब्रजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी अनुसार कलेक्टर सिंह के निर्देशानुसार सभी संस्थाओं के अधीक्षकों के लिए एवं आईसीपीएस टीम के लिए जे जे एक्ट एवं नियम निर्देशों के अधीन बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित किया जाने के लिए निर्देशित किया। बैठक में रीना शर्मा, सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास एवं टीसी मेहरा, सहायक संचालक, महिला एवं विकास द्वारा बैठक में बच्चों के कल्याण और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए और उनकी सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के लिए संचालित योजनाओं स्पॉन्सरशिप योजना, आफ्टरकेयर योजना , फॉस्टर केयर योजना , पी.एम केयर योजना , मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में भिक्षावृत्ति उन्मूलन कार्यक्रम, बालश्रम उन्मूलन कार्यक्रम, बाल विवाह मुक्त भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनाओ के तहत उज्जैन जिले में चलाये जा रहे अभियानों व उनकी उपलबधियों के संबंध में सभी को अवगत करवाया गया। बैठक में बच्चों के अधिकार, बाल शोषण, बाल तस्करी, बाल विवाह आदि रोकने और बाल शिक्षा, बाल स्वास्थ्य और पोषण जैसे मुद्दों की उपलब्धि के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में बच्चों के कल्याण और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने के संबंध में निर्णय लिए गए। बैठक के अंत में बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत सभी विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों को शपथ दिलवाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

विवाद में भाई भतीजों ने किया पिता-पुत्र और बहू पर हमला

उज्जैन। रात में पारिवारिक विवाद के चलते पिता पुत्र और बहू पर पड़ोस में रहने वाले भाई भतीजे ने लाठियो से हमला कर दिया। घटना में तीनों घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चिंतामण थाना क्षेत्र के ग्राम गोंदिया में रहने वाला भंवर पिता रामचंद्र मकवाना 50 वर्ष अपने पुत्र मुकेश और बहू उर्मिला के साथ घर के बाहर अलाव जलाकर ताप रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला भंवर का भाई पदम अपने पुत्र कमल और पोते सुमित के साथ लाठी लेकर पहुंचा और हमला कर दिया। घटना में भंवर उसका पुत्र मुकेश और बहू उर्मिला घायल हो गए। तीनों को आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। चरक अस्पताल में भर्ती भंवर ने बताया कि वह तीन भाई हैं एक पदम और सबसे छोटा मुन्ना है। कुछ साल पहले मुन्ना ने मां की रकम गिरवी रख दी थी, जिसे नहीं छुड़ाई तो वह डूब गई। अब पदम और मुन्ना दोनों रकम छुड़ाने के लिए दबाव बना रहे हैं, मुन्ना ने रकम गिरवी रखी थी वही छुड़ाएगा। यह बात कहने पर पदम ने अपने पुत्र और पोते के साथ मिलकर हमला किया है। चिंतामण थाना पुलिस के अनुसार घायलों के बयान दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

साड़ी का फंदा बनाकर इलेक्ट्रीशियन ने लगाई फांसी

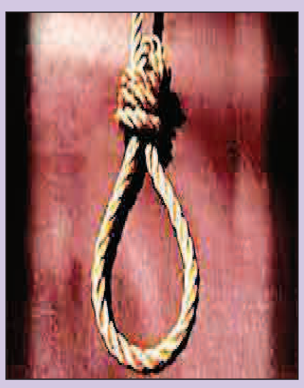

उज्जैन। इलेक्ट्रिशियन का काम करने वाले युवक ने रात में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पत्नी घर लौटी तो पति को कंधे पर लटका देखा। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर मामले की जांच शुरू की है। श्री कृष्णा कॉलोनी में रहने वाला मुकेश पिता नंद किशोर मकवाना 45 साल इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। शाम को पड़ोस में रहने वाले परिवार ने सुंदरकांड रखा था। मुकेश की पत्नी और दो बच्चे सुंदरकांड में शामिल होने गए थे। रात 9 बजे के लगभग पत्नी और बच्चे घर लौटे तो मुकेश को फंदे पर लटका देखा। पत्नी का शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। मुकेश साड़ी के फंदे पर लटका हुआ था जिसे नीचे उतरने के बाद चरक अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जीवाजीगंज थाना पुलिस में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों का कहना था कि मुकेश को कोई परेशानी नहीं थी ना ही उस पर कोई कर्ज था। परिवार में भी ऐसा कोई विवाद नहीं हुआ था जिसके चलते वह आत्मघाती कदम उठा ले। पुलिस के अनुसार मृतक का मोबाइल जांच में लिया जाएगा और परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे उसके बाद ही फांसी लगाने की वजह सामने आ पाएगी।

बहन की करना थी शादी-परिजन

पंकज के परिजनों ने बताया कि पंकज दो बच्चों का पिता था घर में दो बहन मां भी है। कुछ दिन पहले ही बहन की सगाई की थी जिसकी कुछ माह बाद शादी होना है। फसल बर्बाद होने पर बहन की शादी के चलते संभवत: वह आर्थिक दबाव में आ गया था। बताया यह भी जा रहा है की फसल बर्बाद होने पर किसान द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर के अधिकारी फसल बर्बादी का आंकलन करने के लिए पहुंच गए थे। तहसीलदार स्तर पर फसल का आंकलन किया जा रहा है।

पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

उज्जैन। कालिदास कन्या महाविद्यालय ग्रंथालय में वसंत पंचमी, हिंदी साहित्य के महान लेखक महान कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं सुभाष चंद्र बोस की जन्मतिथि के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ग्रंथालय में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. अजय भार्गव तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेंद्र जैन की उपस्थिति में हुआद्य प्राचार्य डॉ.गुप्ता ने अपने उद्बोधन में शोधार्थी एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए पुस्तकों का महत्त्व बताया और उन्हें जीवन का सबसे सच्चा मित्र कहा। आपने बताया कि पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ ग्रन्थ एवं साहित्य का निरंतर अध्ययन भी भक्ति के समान ही है। अत: छात्रों को निरंतर अध्ययन करके अपने ज्ञान को अद्यतन करते जाना चाहिए।आपने ग्रन्थपाल डॉ. लीना शाह के इस कार्य की सराहना की। ग्रन्थपाल डॉ. लीना शाह ने अपना संबोधन भी दिया।प्रशासनिक अधिकारी डॉ.जैन ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश शासन ग्रंथालय उन्नयन के लगातार प्रयास कर रही है और इस प्रकार के प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिए। इस त्रिवेणी संगम में महाविद्यालय के सभी

भवानी मंदिर में चोरी की वारदात

दर्शन कर बदमाश ने निकाला मुकुट और छत्र

उज्जैन। चोरों का हौंसला दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। पहले शहरों में कार में चोरी की वारदात देकर तो कभी घरों में रात में चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। लेकिन अब उनका निशान शहर को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में चल गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में तो कुछ नहीं हो पाता है इसलिए अब बदमाशों ने मंदिरों में दान पेटी पर हाथ साफ कर दिया। ऐसा ही एक घटनाक्रम ग्राम नजरपुर में मंगलवार बुधवार रात आशापुरी मां भवानी मंदिर में हो गया। जहां पर सुबह जब ग्रामीण जन दर्शन के लिए पहुंचे तो पता चला कि मंदिर में तो चोरी की वारदात हो गया। जब सुबह सीसीटीवी कैमरे देखने पर चार बदमाश दिखाई दिए एक ने अंदर प्रवेश किया था जिसने दर्शन करने के बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

घट्टिया थाना क्षेत्र के गांव नजरपुर में आशापुरी मां भवानी के मंदिर बना हुआ है जो आस्था का बड़ा केंद्र है। बुधवार सुबह मंदिर के पुजारी अंतर सिंह हीरावत साफ सफाई और पूजा अर्चना के लिए पहुंचे तो उन्होंने मंदिर की खिड़की की ग्रिल टूटी देखी। तत्काल ही मंदिर समिति को सूचना दी गई और पुलिस को अवगत कराया गया। मंदिर समिति के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंची गर्भ ग्रह का दरवाजा खोला गया फिर दौरान सामने आया कि बदमाश माता रानी का मुकुट और मंदिर में लगे चांदी के छत्र चुराकर ले गए हैं, जो करीब 8 किलो चांदी से बने हुए थे। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो पता चला कि बदमाशों ने पहले मंदिर की खिड़की की ग्रिल तोड़ी उसके बाद गर्भ ग्रह की ग्रिल तोड़कर एक बदमाश अंदर पहुंचा। उसने पहले माता रानी के दर्शन किए उसके बाद वारदात को अंजाम दिया। बदमाश के चेहरे पर नकाब बंधा हुआ था, केमरे में बदमाश के तीन अन्य साथी भी बाहर दिखाई दिया है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की है। वहीं मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

30 जनवरी को विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस

उज्जैन। प्रतिवर्ष दिनांक 30 जनवरी को विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। कोई व्यक्ति जब शारीरिक रूप से कमजोर हो, उचित पोषण आहार प्राप्त न कर पा रहा हो, तो ऐसी कुष्ठ रोग शरीर में बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होने पर हो सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि यह एक रोगाणु जनित रोग है। प्राय: रोगी की चमड़ी पर फिका हल्का, पीला, लाल बदरंग दाग, धब्बा है जिसमें सुन्नपन भी हो और खुजली न होती हो, चमड़ी पर तैलिया तामीयां या चमक, कानों में सूजन, दाने या गांठे, हाथ-पांव में सुन्नपन। कुष्ठ रोग किसी पाप का फल नहीं है न कोई दैवीय प्रकोप है। यह एक छूत की भी बीमारी भी नहीं है, रोगी के साथ रहने या छूने से यह रोग नहीं लगता है। भोजन, पानी, तालाब द्वारा यह रोग नहीं होता है। यह रोग वंशानुगत भी नहीं हैं, कुष्ठ रोग को परिवार से अलग नहीं रखा जाए। यह एक साधारण रोग है जो सूक्ष्म जीवाणुओं से होता है, इसका पूर्ण इलाज संभव है। कुष्ठ रोग के लक्षण चमड़ी पर फीके, पीले, गुलाबी, हाथ-पैरों में सुन्नपन या सुखापन हो तो यह कुष्ठ के संभावित लक्षण हो सकते है। उपचार यह बहु औषधि (एमडीटी) उपचार के नियमित उपयोग से यह रोग ठीक हो जाता है, इसका उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है।

पुराविद् पद्मश्री राजपुरोहित ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

उज्जैन। प्रख्यात इतिहास एवं पुराविद् पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि सम्राट विक्रमादित्य काल से ही गणराज्य की संकल्पना चली आ रही है। मालवनाम गणश्य, मालव गणराज्य की स्थापना विक्रमादित्य ने इसी पावन धरा पर की थी। आप महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ पर गणतंत्र दिवस पर संबोधित कर रहे थे शोधपीठ कार्यालय पर आयोजित समारोह में पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित ने सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय कार्य परिषद सदस्य राजेश सिंह कुशवाह के आतिथ्य में गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया । इस अवसर पर शोधपीठ के संगोष्ठी अकादमी निदेशक डॉ. रमन सोलंकी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. अजय शर्मा, डॉ. प्रीति पांडे, रितेश वर्मा, संजय शर्मा, देवेंद्र सेंगर, डॉ. हेमंत लोदवाल, शुभम अहिरवार आदि उपस्थित थे।

तीन दिवसीय सक्षम महिला रोजगार मेला संपन्न

उज्जैन। आध्यात्मिक और रोजगार ब्राह्मण महिला इकाई द्वारा तीन दिवसीय सक्षम महिला रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेला संयोजक महामंत्री समीक्षा नवीन व्यास ने बताया कि समापन समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सतिंदर सलूजा, सोनिया सहगल, सावित्री महंत, डॉ. नम्रता उपाध्याय, समीक्षा व्यास, डॉ. संध्या व्यास, तरुणा जोशी, मोहिनी दुबे, सुरक्षा तिवारी, कल्पना नायर, सविता त्रिवेदी, प्रिया उपाध्याय, कामना त्रिवेदी, दीप्ति त्रिवेदी, लीना शर्मा, अर्चना उपाध्याय, सोनाली जोशी, सोनू उपाध्याय, प्रीति शर्मा, माधुरी शर्मा, ममता त्रिवेदी उपस्थित रही। मंडल अध्यक्ष उमा व्यास द्वारा सभी को सफल आयोजन की बधाई प्रेषित की गई।

तीन दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन श्रेयांश कुमट के मुख्य आतिथ्य में 28 जनवरी को मप्र राज्य ग्रामीण आजीविक मिशन अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह सदस्यो के माध्यम से संचालित सुगमता महिला फॉर्मर प्रॉड्यूसर कंपनी एवं सहयोगी संस्था एफडबल्यूडब्ल्यूबी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र जिला उज्जैन में आलू की फसल हेतु समस्या, समाधान एवं कृषि के नवीन यंत्रों पर 3 दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त प्रशिक्षण में स्व सहायता समूह सदस्यों को आलू की फसल में आने वाले समस्या उनके बचाव एवं आलू से बनाए जाने वाले उत्पादों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है साथ ही कृषि के आधुनिक यंत्रों की प्रदर्शनी एवं उनके उपयोग पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कुमट द्वारा स्व सहायता समूह सदस्यों को आजीविका के विभिन्न पहलुओं एवं कृषि से आय बढ़ाने हेतु आलू प्रसंस्करण कर विभिन्न उत्पाद बनाए के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में म प्र राज्य ग्रामीण आजीविक मिशन के डीपीएम अमित ब्रिजवानी, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ ए के दीक्षित, डॉ रेखा तिवारी, डॉ सविता सिंह, डॉ मोनी सिंह एवं समस्त वैज्ञानिकगण, एफडब्ल्यूडब्ल्यूबी संस्था के कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र सिंह परमार, उपसंचालक कृषि उमेश सिंह तोमर, परियोजना संचालक आत्मा श्री केन केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान बुधनी से अनीश कुमार मालवीय, मोहनजी एवं सुगमता महिला फॉर्मर प्रॉड्यूसर कंपनी के शेयर धारक आदि उपस्थित रहे।

फसल से प्रभावित किसान दस्तावेज साथ रखें

उज्जैन। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार समस्त किसान भाई ध्यान दें कि जिनकी भी फसल प्राकृतिक आपदा अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि से प्रभावित हुई है, वे होने वाले फसल नुकसान की जानकारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत इफकोटोकियो फसल बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 पर 72 घंटे के अंदर शिकायत दर्ज करवाएं। अत: आपसे अनुरोध है कि बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 या प्रधानमंत्री फसल बीमा ऐप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत दर्ज करते समय लगने वाले आवश्यक दस्तावेज कृषक अपने साथ रखें। किसान की फसल बीमा पॉलिसी नंबर, किसान का आधार कार्ड, किसान का सर्वे नंबर, किसान का केसीसी खाता नंबर अवश्य साथ रखें।

उज्जैन में खराब हुई फसल का सर्वे प्रारंभ

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार रात्रि में आंधी तूफान ओलावृष्टि से कारण फसलों को हुए नुकसान का सर्वे प्रारंभ कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कल रात्रि से ही राजस्व विभाग के द्वारा उज्जैन जिले में फसल नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वे प्रारंभ कर दिया गया हैद्य इसके संबंध में सभी तहसीलदार, आर आई, पटवारी को निर्देश दिए गए हैं कि वह गांव-गांव में जाकर फसलों को हुए नुकसान का सर्वे प्रारंभ कर दें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी किसान को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा, जो भी किसानों की फसल का ओलावृष्टि के कारण नुकसान हुआ है उसका आकलन प्रारंभ कर दिया गया है।

पिछले चौबीस घंटों जिले में औसत 4 .6 मिमी वर्षा

उज्जैन। कलेक्टर कार्यालय भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले चौबीस घंटों के दौरान उज्जैन जिले में औसत 4 .6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है । इस दौरान जिले की खाचरौद तहसील में 2 .0 मिमी, झारडा में 6 .0 मिमी, तराना में 4 .4 मिमी और महिदपुर में 29 मिमी वर्षा हुई है।

विशेष बच्चे पहुंचे - मंदिर समिति ने की थी विशेष व्यवस्था, नंदीहाल में बैठकर खुश

सूरत के 40 दिव्यांग बच्चों ने किए महाकाल मंदिर में दर्शन, ई-कार्ट में घूमे

नवभारत न्यूज

उज्जैन। भगवान महाकाल की ख्याति काफी दूर तक पहुंच चुकी है। यहां पर नेता, अभिनेता से लेकिर अनेक वीआईपी अपना मत्था टेकते हैं। अपनी मुराद पूरी होने पर चढ़ावा भी चढ़ाते हैं। इसी क्रम में गुजरात के सूरत से आए 40 दिव्यांग बच्चों ने बुधवार को भगवान महाकाल के दर्शन किए। दीप ज्योति वेलफेयर ट्रस्ट के इन बच्चों के लिए मंदिर समिति ने विशेष दर्शन की व्यवस्था की थी। सभी बच्चों को ई-कार्ट बैठाकर महाकाल लोक भी घुमाया। जिसे देखकर बच्चे काफी प्रसन्नता दिखाई दिए। बच्चे नंदीहाल से दर्शन कर खुश हो गए। उन्होंने जय महाकाल के जयकारे भी लगाए।

श्रीभस्मरमैया भक्त मंडल का सम्मेलन हुआ

उज्जैन। सनातन संस्कृति में विश्व का मार्गदर्शन करने की ताकत है। सनातन संस्कृति स्नेह, आदर प्रेम, सद्भावना को समाहित रखती है। लेकिन वक्त आने पर यही संस्कृति ढाल, तलवार, बरछी, भाला और तोप में परिणित हो जाती है। उक्त विचार भस्म रमैया भक्त मंडल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरी महाराज ने व्यक्त किये। स्वामी ने कहा कि कितना भी बड़ा खिलाड़ी हो छल का अंत मात ही होता है। एक समय के बाद सुंदरता नहीं बल्कि मर्यादा और संस्कार आकर्षित करते हैं। जब धर्म में राजनीति आती है तब रामायण निर्मित होती है और जब राजनीति में धर्म आता है तो महाभारत की रचना होती है। हम मंदिर में जाकर उन मूर्तियों को पूजते हैं जो हमने खुद बनवाई है। घर में उन जीवित मूर्तियां माता-पिता का भी जरूर आदर करें जिन्होंने हमें बनाया है। शाब्दिक अभिषेक भस्म रमिया भक्त मंडल के संस्थापक प्रवीण मादुसकर ने किया। सूत्रधार शैलेंद्र व्यास थे। इस अवसर पर कला गुरु अनिकेत सेन, वरिष्ठ पत्रकार राजेश वर्मा, प्रमोद व्यास, मन सोलंकी बड़नगर,का विशिष्ट अभिनंदन शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन सागर गुप्ता द्वारा किया गया।

साहित्यकारों का सम्मान

उज्जैन। बैंकर्स साहित्यिक संस्था प्राची ने गणतंत्र दिवस पर भारतीय ज्ञानपीठ में राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को माल्यार्पण कर साहित्यकार संतोष सुपेकर और रमेशचंद्र शर्मा का सारस्वत सम्मान किया। अध्यक्षता व्यंगकार शशांक दुबे ने की। मीडिया प्रभारी दिनेश रावल ने बताया उज्जैन के बांसुरी वादक सुरेन्द्र स्वर्णकार ने बांसुरी पर देशभक्ति गीत सुनाया तो यूएस छाबड़ा ने स्वागत भाषण दिया। गोपाल कृष्ण निगम ने भारत माता की वंदना की। नरसिंह ईनानी, केशव पंड्या, राम त्यागी उपस्थित थे। संचालन मानसिंह शरद ने किया। आभार रविन्द्र जेठवा ने माना।

गोवर्धन धाम उद्यान में लहराया तिरंगा-उज्जैन। श्री गोवर्धन धाम रहवासी कल्याण समिति ने कॉलोनी में स्थित गोवर्धन धाम उद्यान में तिरंगा लहराया। मुख्य अतिथि डॉ. मयंक पंचोली, विशेष अतिथि कवि राहुल शर्मा, सुगनचंद जैन, रमेश गजरानी थे। अध्यक्ष इकबाल सिंह गांधी ने ध्वज फहराया। प्रकाश चित्तौड़ा, सुरेश मोड़, अशोक भाटी, अशोक गुप्ता उपस्थित थे। संचालन उमेश गुप्ता ने किया।